भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या. 315*

दिनांक 21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्वास्थ्य जांच अभियान

***315. श्री अशोक कुमार रावतः**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा कुछ रोगों के लिए घर-घर जाकर स्वास्थ्य जांच करने की प्रक्रिया शुरू की गई है या शुरू किए जाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या उक्त पहल को देश के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में लागू किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) उक्त पहल/अभियान के अंतर्गत कौन-कौन से रोगों को शामिल किया जाएगा; और
(घ) उक्त पहल/अभियान कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 21.03.2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 315 के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (घ): भारत सरकार 'सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। निष्पक्षता के साथ सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, विशिष्ट स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर जैसे सघन आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसका उद्देश्य लोगों तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार लाने और समग्र आरोग्य को बढ़ावा देने के जरिए स्थानिक, दूरस्थ और अल्प सेवित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता और सुलभता संबंधी मुद्दों का समाधान करना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य जांच के लिए घर-घर पहुँचाए जाने वाले स्वास्थ्य अभियान इस प्रकार हैं:

• **गैर-संचारी रोग**: राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के तहत, गैर-संचारी रोगों के लिए जनसंख्या-आधारित जांच शुरू की गई है, जिसमें 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर (मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा) सहित सामान्य गैर-संचारी रोगों की जांच की जाती है । यह देश भर में लागू किया जाने वाला 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की आबादी के लिए एक नियमित वार्षिक कार्यकलाप है।

• **टीबी:** राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत, 33 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में संवेदनशील आबादी पर ध्यान केंद्रित करते हुए 7 दिसंबर, 2024 को 347 प्राथमिकता वाले जिलों में "100 दिनों का गहन टीबी मुक्त भारत अभियान" शुरू किया गया है, ताकि छूटे हुए मामलों का पता लगाया जा सके, टीबी से संबंधित मृत्यु दर को कम किया जा सके और नए मामलों को रोका जा सके। इस अभियान (7 दिसंबर 2024 से 14 मार्च 2025) के दौरान, 9.02 करोड़ संवेदनशील व्यक्तियों की जांच की गई और 3,01,803 नए टीबी मामलों की पहचान की गई।

• **मलेरिया**: समुदाय में मलेरिया का पता लगाने के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में प्रशिक्षित स्तर के स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा हर पखवाड़े घर-घर जाकर सक्रिय मामलों का पता लगाया जाता है।

• **कालाजार**: कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम के तहत, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कर्मियॉं और आस-पास के स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा चार स्थानिक राज्यों अर्थात् बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के स्थानिक गांवों में सक्रिय मामलों का पता लगाने संबंधी कार्यकलापों के सालाना चार दौर आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यकलापों का उद्देश्य विसराल लीशमैनियासिस और कालाजार के बाद डर्मल लीशमैनियासिस के मामलों की पहचान करना है।

• **लिम्फेटिक फाइलेरियासिस**: लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (एलएफ) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए 13 स्थानिक राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में हर साल रुग्णता प्रबंधन और विकलांगता रोकथाम के साथ-साथ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सामूहिक औषधि (एमडीए) दी जाती है। इस अभियान के तहत, समुदायों में प्रत्येक पात्र व्यक्ति को एलएफ निवारक दवाएं दी जाती हैं। घर-घर एमडीए अभियान 10 से 15 दिनों की अवधि के लिए चलाया जाता है। पिछला एमडीए अभियान 10 फरवरी 2025 को 13 राज्यों के 111 जिलों में शुरू किया गया था।

• **कुष्ठ रोग:** कुष्ठ रोग के मामलों का पता लगाने का अभियान हर साल उच्च स्थानिक जिलों में चलाया जाता है, जिसमें मामलों का शीघ्र पता लगाने और उपचार पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, ताकि आगे संक्रमण और विकृतियों की घटना को रोका जा सके। 2024-25 में, इन मामलों का पता लगाने का यह अभियान 6 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 118 जिलों में चलाया गया है।

*****